शुगर प्रॉडक्शन 3% घटकर 315 लाख टन रहेगा: इस्मा

[पीटीआई | नई दिल्ली]

चीनी मिलों के संगठन इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) ने मौजूदा मार्केटिंग ईयर में गन्ना उत्पादन कम रहने की संभावना जताई है। इस्मा ने सोमवार को एथनॉल बनाने में गन्ने के रस का इस्तेमाल बढ़ने, असामान्य बारिश और कीटों के हमले से होने वाले नुकसान के चलते चीनी उत्पादन के पूर्वानुमान को तीन पर्सेंट घटाकर 315 लाख टन कर दिया। इससे पहले इस्मा ने जुलाई में मौजूदा मार्केटिंग ईयर के लिए 350 लाख टन शुगर प्रॉडक्शन का अनुमान व्यक्त किया था। पिछले मार्केटिंग ईयर (2017-18) में चीनी उत्पादन 325 लाख टन के रिकॉर्ड स्तर पर था।

इस्मा ने एक बयान में कहा, 'मौजूदा मार्केटिंग ईयर 2018-19 में चीनी उत्पादन तीन-चार महीने पहले के अनुमान से कम रह सकता है। उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और कर्नाटक की कुल गन्ना उत्पादन में करीब 80 पर्सेंट हिस्सेदारी है। हालांकि, इन तीनों राज्यों में असामान्य बारिश और कीड़ों के हमले के चलते उत्पादन कम होने की आशंका है। इसके चलते अब मौजूदा शुगर मार्केटिंग ईयर के दौरान चीनी उत्पादन 315 लाख टन ही रहने का अनुमान लगाया जा रहा है।' बयान के मुताबिक, '2018-19 में चीनी उत्पादन 320 लाख टन के करीब रह सकता है। हालांकि, अभी इसमें और कमी आने की आशंका है।

अगर गन्ने का एथनॉल में इस्तेमाल बढ़ा तो चीनी उत्पादन और नीचे कम होकर 315 लाख टन ही रह सकता है।' हालांकि, इस्मा का कहना है कि इन सबके बावजूद पुराने स्टॉक के चलते देश में चीनी का उपलब्धता जरूरत से ज्यादा बनी रहेगी।

2018-19 के दौरान चीनी की कुल उपलब्धता 427 लाख टन तक रहने का अनुमान है। वहीं, चीनी की सालाना घरेलू मांग 255 से 260 लाख टन रहने की संभावना है। इस्मा के मुताबिक, अगर मिलें साल के दौरान 40 से 50 लाख टन चीनी का निर्यात कर देती हैं, तब भी 110 से 130 लाख टन तक का सरप्लस स्टॉक रहेगा।

इस्मा ने बताया, 'उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में सितंबर 2018 के दौरान असामान्य बारिश हुई, जिसका गन्ने की फसल पर प्रतिकूल असर पड़ा। यह समय फ़सल के पकने के लिहाज से बेहद अहम होता है। इसके अलावा कुछ जगहों ज्यादा पानी लगने की भी सूचना मिली है।' इन सबकी वजह से गन्ना और चीनी, दोनों का उत्पादन प्रभावित होने की आशंका है। संगठन ने उत्तर प्रदेश में चीनी उत्पादन का अनुमान जुलाई 2018 के 130-135 लाख टन से संशोधित कर 121 लाख टन कर दिया। पिछले साल भी यह 120.4 लाख टन के आसपास ही था। महाराष्ट्र में चीनी उत्पादन मौजूदा मार्केटिंग ईयर के दौरान 95 लाख टन रहने का अनुमान लगाया गया है, जो जुलाई में 110 से 115 टन था। पिछले साल राज्य में शुगर प्रॉडक्शन 107.20 लाख टन के करीब था।

- **इंडियन शुगर** मिल्स एसोसिएशन ने कहा, एथनॉल बनाने में गन्ने के रस का इस्तेमाल बढ़ने, असामान्य बारिश और कीटों के हमले से होने वाले नुकसान के कारण चीनी उत्पादन घट सकता है
- **2018-19 के** दौरान चीनी की कुल उपलब्धता 427 लाख टन तक रहने का अनुमान है, चीनी की सालाना घरेलू मांग 255 से 260 लाख टन रहने की संभावना है

Economic Times

30/10/2018